इस शरीर रूपी कपड़े से ममत्व मिटाना
किसी मित्र-सम्बन्धी को याद नही करना
योगबल वाली आत्मा को किसी बात में धक्का नही लगता
उनका किसी में लगाव नही होगा
अपनी चाल- चलन बहुत रॉयल रखनी
फज़ीलत से बातचीत करनी
नम्रता का गुण धारण करना
संगम का समय श्रेष्ठ,श्रेष्ठ जन्म,सर्व श्रेष्ठ टाइटल वारदाता बाप बीज ही हाथ में आ गया
तो सर्वप्राप्तियों से संपन्न बनना
परस्थिति चली जाए,पर खुशी नही जाए

ॐशांति!!!
मेरा बाबा!!!